MS. JOSHNA CHINAPPA

Ms. Joshna Chinappa, is an international Squash player, who has blazed a trail in Indian Squash by winning national and international squash tournaments.

2. Born on 15th September,1986 in Chennai, Kumari Joshna hails from the Kodava community in Coorg. She is the great grand niece of Field Marshal Shri K M Cariappa. Her schooling was in Chennai and she graduated from Ethiraj College for Women - Chennai, in B.A. Literature. At age of 9 years, she was introduced to Squash by her father Shri Anjan Chinappa, who mentored and coached her for 15 years.She won her first Senior National Squash Championship at the tender age of 14. With a record 19 National titles, she has dominated Indian Squash for 20 years.

3. After a successful junior career, Ms. Joshna won international tournaments and became the first Indian Asian Junior Champion in 2003. In 2005, she became the first Indian to win a Silver Medal at the World Individual Junior Championships in Belgium, and also the first Indian to win the prestigious British Open Junior Championship. Her pursuit of excellence in Squash continued, as she joined the professional tour. Her exploits on the tour led her in 2016, to reach her highest world ranking of No.10. An ACL injury in 2011, which kept her away from Squash for almost a year, did not dampen her passion for her sport. She returned stronger, winning the Chennai Open, and Penang Open in 2012, and was instrumental in India winning the gold medal at the Asian Team Championships - 2012, in Kuwait.

4. Representing India, Ms. Joshna has brought laurels for the country by winning Gold medals in SAF GAMES in 2006 and 2016. In 2014, she along with her team mate Ms. Dipika Pallikal created history, by winning the first Gold medal, ever, for Squash, in Ladies Doubles at the Commonwealth Games in Glasgow. In 2018, she won the Silver medal in the Ladies Doubles event in the Commonwealth Games - Gold Coast. In the Asian Games 2018 at Jakarta, she won a Silver medal in Team event, and a Bronze medal in the Individual event. In 2017, she became the first Indian Squash player to become the Asian Squash Champion, and in 2019 successfully defended her title. She continued to bring glory for the country by winning the World Doubles Championships in 2022. In the Asian Games 2023, she won a Bronze medal in the Team event. Her victories on the Squash arena have greatly helped popularize the sport.

5. In 2005, Ms. Joshna was appointed Goodwill Ambassador of the “Save The Girl Child” campaign by the Ministry of Health & Family Welfare, Government of India. In recognition of her achievements in Squash, she was given the "Arjuna Award" by Ministry of Youth Affairs & Sports, Government of India, in August 2013. She has also received Sports Icon Award from Rotary International in 2010. She has been honoured and felicitated by Chief Ministers of Tamil Nadu. She has also been honoured by various clubs like Madras Cricket Club, CCI - Mumbai, and by Ethiraj College for Women.

कुमारी जोशना चिनप्पा

कुमारी जोशना चिनप्पा अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी हैं, इन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश प्रतियोगिताओं को जीतकर भारतीय स्क्वैश की दुनिया में अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

2. 15 सितंबर, 1986 को चेन्नई में जन्मी, कुमारी जोशना कुर्ग की कोडावा समुदाय से संबंध रखती हैं। वह फील्ड मार्शल श्री के. एम. करिअप्पा की नातिन हैं। उन्होंने चेन्नई में विद्यालयी शिक्षा प्राप्त की और इथिराज कॉलेज फॉर वीमेन – चेन्नई से स्नातक (साहित्य) की पढ़ाई पूरी की। 9 वर्ष की आयु में, उनके पिता श्री अंजन चिनप्पा उन्हें स्क्वैश के खेल में लेकर आए, उन्होंने 15 वर्ष तक उनका मार्गदर्शन किया और उनके कोच रहे। उन्होंने 14 वर्ष की छोटी आयु में पहली सीनियर राष्ट्रीय स्क्वैश प्रतियोगिता जीती, उनके नाम 19 राष्ट्रीय खिताब कीर्तिमान हैं और 20 वर्ष तक भारतीय स्क्वैश पर उनका वर्चस्व रहा।

3. एक सफल जूनियर खिलाड़ी के करियर के बाद, कुमारी जोशना ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीत दर्ज की और वर्ष 2003 में वह पहली भारतीय एशियाई जूनियर चैंपियन बनी। वर्ष 2005 में, वह बेल्जियम में विश्व व्यक्तिगत जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनी और प्रतिष्ठित ब्रिटिश ओपन जूनियर चैंपियनशिप जीतने वाली भी पहली भारतीय बनी। इस खेल के प्रोफेशनल दौरे से जुड़ने के बाद से इन्होंने अपने स्क्वैश के खेल को निखारने का क्रम जारी रखा। यह उनकी मेहनत हैं कि वर्ष 2016 के दौरे में वह विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 पर पहुंची। वर्ष 2011 में एसीएल चोट के कारण, वह लगभग 1 वर्ष तक स्क्वैश से दूर रहीं, पर इससे खेल के प्रति इनका जुनून कम नहीं हुआ। बल्कि वह और मजबूत होकर लौटीं, और वर्ष 2012 में चेन्नई ओपन और पेनांग ओपन में जीत दर्ज की, तथा कुवैत में एशियाई टीम चैंपियनशिप–2012 में भारत द्वारा स्वर्ण पदक की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

4. भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए, कुमारी जोशना ने वर्ष 2006 और 2016 में एसएएफ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर देश का मान–सम्मान बढ़ाया है। वर्ष 2014 में, इन्होंने सुश्री दीपिका पल्लीकल के साथ जोड़ी में ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल में स्क्वैश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वर्ष 2018 में, उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल – गोल्ड कोस्ट में महिला डबल्स प्रतियोगिता में रजत पदक जीता। जकार्ता में आयोजित एशियाई खेल 2018 में, उन्होंने टीम इवेंट में रजत पदक और व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक जीता। वर्ष 2017 में, वह एशियाई स्क्वैश चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी बनी, और वर्ष 2019 में सफलतापूर्वक अपना खिताब बचाया। वर्ष 2022 में विश्व महिला प्रतियोगिता जीतकर इन्होंने देश का मान बढ़ाने का क्रम जारी रखा। एशियाई खेल 2023 में, इन्होंने टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता। स्क्वैश में उनकी जीत इस खेल को लोकप्रिय बनाने में बहुत सहायक रही है।

5. वर्ष 2005 में, कुमारी जोशना को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने "बेटी बचाओ" अभियान का सद्भावना दूत नियुक्त किया। स्क्वैश में इनकी उपलब्धियों को देखते हुए, अगस्त 2013 में युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उन्हें 'अर्जुन पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। इन्हें वर्ष 2010 में रोटरी इंटरनेशनल से स्पोर्ट्स आईकॉन पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। समय–समय पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों ने भी इन्हें सम्मानित किया है और पुरस्कार प्रदान किए हैं। इन्हें मद्रास क्रिकेट क्लब, सीसीआई – मुंबई और इथिराज कॉलेज फॉर वूमेन जैसे विभिन्न क्लबों द्वारा भी सम्मानित किया गया है।